DON BOSCO ARTS AND SCIENCE COLLEGE
LIBRARY
ANGADIKADAVU

M 8689

Reg. No. : .....

Name : .....

III Semester B.A./B.Sc. Degree Examination, November 2010
HINDI (Common Course)
[3A 09 – HIN] : Translation and Communication Skills in Hindi
(Course – 3)

Time: 3 Hours Total Weightage : 25

निर्देश : निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लिखिए : **(Weightage : 1×5 Bunches=5)**

1. **हिन्दी** शब्द लिखिए :

   अ) Lock

   आ) Lemon

   इ) $16\frac{1}{4}$

   ई) Gardener.

2. शुद्ध कीजिए :

   अ) मैं ने काम करता था।

   आ) राधा पाठ पढी।

   इ) हम हिन्दी पढना चाहिए।

   ई) राम की एक बहन है।

3. सही मिलन कीजिए :

   अ) गले लगाना : प्रशंसा करना

   आ) नाक काटना : आलिंगन करना

   इ) तारीफ करना : शोभा बढाना

   ई) चार चाँद लगाना : अपमानित करना

P.T.O.

4. प्रस्तुत कहावतों का अर्थ कोष्ठकों से चुनकर लिखिए :

अ) बाएँ हाथ का खेल।

[कठिन काम, आसान काम, साहसपूर्ण काम, क्रिकट]

आ) घर की मुर्गी दाल बराबर।

[मुर्गी को दाल खिलाना, घर में मुर्गी लाना, अपनों को कम महत्व देना, घर को सजाना]

इ) अन्धे की लकडी।

[धीरे धीरे चलना, लकडी से मारना, बहुत ऊँचा, एकमात्र सहारा]

ई) नौ-दो ग्यारह होना।

[एकदम भाग जाना, भीड लगना, जोडना, व्यंग्य करना]

5. निम्नलिखित अवतरण की खाली जगहों को यथास्थान 'ने, से, को, में, पर, का, के' या 'की' से भरिए :

धर्म _____ आचरण की प्राप्ति यदि ऊपरी आडंबरों _____ होती, तो आजकल भारत-निवासी सूर्य _____ समान शुद्ध आचरणवाले हो जाते।

पहाडों _____ चढने से प्राणायाम हुआ करता है।

6. खाली जगहों को भरिए :

अ) गोपाल _____ लेख लिखा।

आ) _____ खत लिखते हो।

इ) मोहन _____ बोला नहीं जाता।

ई) आप _____ शहर में रहते हैं ?

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4×2=8)**

7. आपके कालेज में संपन्न हिन्दी संगोष्ठी का वर्णन करते हुए अपने मित्र के नाम एक पत्र लिखिए।

8. उच्चशिक्षा के लिए उधार माँगते हुए कानेरा बैंक के शाखा प्रबंधक के नाम एक पत्र तैयार कीजिए।

9. आपके गाँव की प्रदूषित परिस्थिति की ओर जिला कलक्टर का ध्यान आकृष्ट करते हुए एक शिकायती पत्र लिखिए।

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : **(Weightage : 4×1=4)**

10. राष्ट्रमंडल खेलो में स्वर्ण पदक जीतनेवाले भारतीय खिलाडी से संभावित भेंट वार्ता तैयार कीजिए।

11. छात्र और पुस्तकालयाध्यक्ष के बीच का वार्तालाप लिखिए।

12. संकेतों के सहारे कहानी लिखिए।

पाँच अन्धे ..... हाथी की तलाश ..... पहले अन्धे ने पीठ पर हाथ फेरकर दीवार कहा ..... दूसरे ने कान पकडकर सूप ..... तीसरे ने सूँड पकडकर अजगर ..... चौथे ने पूँछ पकडकर रस्सी..... अन्तिम ने पैर पकडकर स्तंभ ..... झगडा ..... समग्र दृष्टि का अभाव ..... असफल।

निर्देश : किसी **एक** अंश का **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : **(Weightage : 4×1=4)**

13. Guardian : I am Vijaya Kumar Varma. You had told my daughter to ask me to see you.

Teacher : Thank you. I called you to tell you that your daughter Shalini Varma is finding it a little difficult to keep up with the class.

Guardian : Is that so ? But she is particular about her studies.

Teacher : I know that, and in general she is good in her studies. But she is weak in English.

14. Shopkeeper : Please come in. What would you like to see ?

Customer : I want a nice watch to give as a present.

Shopkeeper : Certainly. A lady's watch or a man's watch ?

Customer : A lady's watch, please.

Shopkeeper : Sure. Please come this way and look at these.

Customer : Thank you. That little one looks nice. What is the price ?

Shopkeeper : Two thousand and three hundred rupees.

Customer : That is too much. I need a cheaper one.

Shopkeeper : Look at these Indian watches. They are of good quality, cheaper and also attractive.

निर्देश : किसी **एक** खंड का संक्षेपण कीजिए : **(Weightage : 4×1=4)**

15. प्रकृति के ऊपर आदमी के नियंत्रण में जो वृद्धि होती है, उसका परिणाम या तो भला होता है या बुरा। हाल में जो औद्योगिक प्रगति हुई है, उससे आर्थिक प्रचुरता मिली है और साथ ही आणविक युद्ध भी। आज अगली पीढी में सारी दुनिया की भौतिक समृद्धि के बढने की संभावना बढ गई है, जिसकी अब तक कल्पना भी नहीं थी। इसका कारण एक ही आविष्कार और उससे संबंधित खोजें हैं। अगर हम समझदार हैं। तो दुनिया से गरीबी और भूख को निकाल बाहर कर सकते हैं। नहीं तो मानव-जीवन में महाविनाश तक आ सकता है।

16. आदमी शरीर और मन ही नहीं है। मानवीय व्यक्तित्व के अन्दर एक ऐसा अंश है जो दोनों से भिन्न है और इनका इस्तेमाल करता है। बढती हुई आयु और क्षीण होता हुआ बल आत्मा की कान्ति को मन्द करने में असमर्थ हैं। आत्मा अन्य वस्तुओं की तरह नहीं है, बल्कि वस्तुओं का द्रष्टा है। वस्तुओं की तरह उसका ज्ञान करना कठिन है। जब हम किसी चीज़ को जानते हैं तो वह विचार का विषय बन जाती है। द्रष्टा या ज्ञाता के रूप में स्वयं को जानने के लिए हमें पीछे मुडकर देखना पडता है, जिससे हमको अपनी एक क्षणिक झलक मिलती है। यह मौलिक झलक ही आत्मा का सच्चा रूप प्रकट करती है।